MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE

Government Commercial Certificate Examination

5 JULY, 2018

[Time : 14-00]

(Total Marks for Sections I and II : 100)

HINDI TYPEWRITING

(30 Words Per Minute)

SECTION - II

(Time Allowed : 7 Minutes)

हिंदी टंकलेखन

(३० शब्द प्रति मिनट)

विभाग - २

(समय : ७ मिनट)

सूचना : गति परिच्छेद को दुबारा टंकित मत कीजिए । निम्नांकित गद्यखण्ड को द्विपंक्ती अंतर पद्धति से टंकित कीजिए। बायीं ओर १५ स्पेस का हाशिया (मार्जिन) छोड़िए ।

[अंक : ४०]

किसी गाँव में एक सुंदर तालाब था । पास ही एक नदी बहती थी । तालाब ने नदी से कहा, "बहन, तुम बड़ी भूल करती हो, जो अपना मीठा जल समुद्र को दे देती हो । समुद्र उसे खारा बना देता है और तुम्हारा कोई एहसान भी नहीं मानता । इसलिए अच्छा होगा, यदि तुम अपने भविष्य के लिए इसे सँभालकर रखो । बुद्धिमान जो काम करते हैं, उसके बारें में पहले ही सोच लेते हैं ।" तालाब की बात सुनकर नदी मुस्कराई और बोली, "अरे भाई, हमें अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए । कर्म करते हुए उसके फल की चिंता में नहीं पड़ना चाहिए ।

मैं अपने मीठे जल से समुद्र का भंडार भर रही हूँ । अब यह उसका कर्तव्य है कि वह उसे खारा रखे या मीठा । मैं तो अपने कर्तव्य का पालन करुँगी ।" नदी की बातें तालाब को अच्छी नहीं लगीं । वह चुप हो गया । गर्मी का मौसम आया । तालाब सूख गया । पर नदी उसी तरह स्वच्छ जल बाँटती रही । समुद्र को उसी गति से भरती रही । समुद्र को भी अपने कर्तव्य का ज्ञान हुआ । आषाढ़ आया । समुद्र ने बादलों से मीठा जल बरसाया । नदी उमड़ आई और दूने वेग से समुद्र का घर भरने लगी । यह देख तालाब बड़ा लज्जित हुआ ।